Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP
UNIVRESITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-I (Pattern – 70+30=100)

MJC-1: संस्कृत व्याकरण

Theory:5 Credits+Tutorial: 1 credit= 6 credits

उद्देश्य

"मुखं व्याकरणं स्मृतम्"–संस्कृत भाषा की अवगति(समझदारी) विकसित करने हेतु महर्षि पतंजलि ने व्याकरण–शास्त्र को प्रमुख अंग के रूप में विवेचित किया है। वास्तव में, व्याकरण के ज्ञान के बिना संस्कृत–वाङ्मय को समझना दुष्कर है। एतन्निमित्त यहाँ व्याकरण के प्रमुख व महत्त्वपूर्ण विषयों की जानकारी छात्रों को उपलब्ध कराने के उद्देश से लघुसिद्धान्तकौमुदी के आधार पर पाठ्यक्रम का प्रारूप प्रस्तुत है–

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	संज्ञाप्रकरण	10
2	सन्धि प्रकरण(लघु सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार): स्वर सन्धि, व्यंजन सन्धि, विसर्ग सन्धि	13
3	सुबन्त, तिङन्त एवं लकार–परिचय	15
4	अनुवाद	12
5	Turorial	10
	Total	60

Reading List

1. शास्त्री, धरानन्द, लघुसिद्धान्तकौमुदी, मूल एवं हिन्दी व्याख्या, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
2. शास्त्री, भीमसेन, लघुसिद्धान्तकौमुदी, मैमी व्याख्या, भाग–01, मैमी प्रकाशन, दिल्ली।
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी गोविन्द प्रसाद शर्मा चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।
4. रचनानुवाद कौमुदी कपिलदेव द्विवेदी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

अधिगम उपलब्धि–संस्कृत व्याकरण के अध्ययन के उपरान्त छात्र छात्राओं को निम्नलिखित उपलब्धियाँ प्राप्त होगी–

1. संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर संस्कृत भाषा की वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
2. संस्कृत वर्णमाला एवं श्लोकों के शुद्ध उच्चारण का कौशल विकसित होगा।
3. संस्कृत वाक्यों, श्लोकों एवं गद्यों को समझने की सामर्थ्य–शक्ति विकसित होगी।
4. छात्र/छात्राओं को संस्कृत भाषा में सम्भाषण की कला का ज्ञान प्राप्त होगा।
5. संस्कृत वाक्यों के निर्माण की शुद्ध एवं वैज्ञानिक कला का विकास होगा।

14/06/2023

14/6/23

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP
UNIVRESITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-II (Pattern – 70+30=100)

MJC- II: संस्कृत काव्य

Theory:5 Credits+Tutorial: 1 credit= 6 credits

उद्देश्य

व्यक्तित्व के विकास के लिए काव्य-साहित्य का सेवन नितांत आवश्यक है। शास्त्रों में वर्णित है–

संसारविषवृक्षस्य द्वे एव मधुरे फले।
काव्यामृत रसास्वादः संगमः सज्जनैः सह।।

छात्र छात्राओं के जीवन में काव्य रूपी अमृत का सेवन उनके सम्पूर्ण व्यक्तित्व को परिपक्व व सुदृढ़ बनाने में सहायक है। काव्यों की सूक्तियाँ, रसानुभूति, सौन्दर्यबोध मानव–जीवन को आनन्दि एवं आन्दोलित करने तथा जीवन जीने की कला सिखाने में समर्थ है।साधु–काव्य के सेवन से "सत्यं शिवं एवं सुन्दरम्" का समवेत बोध छात्र/छात्राओं को हो सके–एतदर्थ काव्य का अध्ययन/अध्यापन अपेक्षित है।

MJC-1: संस्कृत काव्य		Credit 6
Unit	Topics to be covered	No. of Lecture
1	भगवद्गीता-अध्याय 12 (भक्तियोग)	10
2	रघुवंशम् (प्रथम – सर्ग)	10
3	पूर्वमेघदूतम्	15
4	किरातार्जुनीयम्(प्रथम सर्ग)	15
	Turorial	10
	Total	60

Reading List:

1. रघुवंशमहाकाव्य (प्रथमसर्ग) टीका-मल्लिनाथ,अनुवाद-धारादत्तमिश्र, मोतीलाल बुक्स पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स अशोक राजपथ पटना|
2. रघुवंशमहाकाव्य, पं शेषराज शर्मा रेग्मी चौखम्भा सुभारती प्रकाशन वाराणसी शेषराज शर्मा रेग्मी चौखम्भा सुभारती प्रकाशन वाराणसी|
3. श्रीमद्भगवद्गीता व्याख्याकार–मदनमोहन अग्रवाल, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी, 1994
4. मेघदूतम्, मोतीलाल बुक्स पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स अशोक राजपथ पटना|
5. जनार्दन शास्त्री, भारविकृत किरातार्जुनीयम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
6. जनार्दन शास्त्री, भारविकृत रितार्जुनीयम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
7. श्रीमद्भगवद्गीता–एस० राधाकृष्णन कृत व्याख्या का हिन्दी अनुवाद, राजपाल एण्ड सन्स दिल्ली–, 1969
8. बाबूराम त्रिपाठी(सम्पा.), भर्तृहरि कृत नीतिशतकम् महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा, 1986

अधिगम उपलब्धि:–

- छात्र संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
- वह संस्कृत साहित्य पद्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।
- उनमें काव्य में प्रयुक्त रस, छंद, अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी।
- पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
- छात्रों के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ–साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध और सस्वर उच्चारण के कौशल में निपुण बनेंगे

14/06/2023

14/6/23

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-III (Pattern-70+30=100)

MJC-III: संस्कृत साहित्य का इतिहास–वैदिक एवं लौकिक

Theory :4 Credits + Tutorial: 1 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	संहिताओं का सामान्य परिचय एवं प्रतिपाद्य विषय।	8 Hours
2	ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदांगों का सामान्य परिचय।	8 Hours
3	रामायण, महाभारत एवं पुराणों का सामान्य परिचय।	8 Hours
4	महाकाव्य, खण्डकाव्य एवं गीतिकाव्य का सामान्य परिचय।	8 Hours
5	नाटकाव्य, कथा साहित्य एवं चम्पूकाव्य का सामान्य परिचय।	8 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक

(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक

(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों मे से चार प्रश्नो के उत्तर अपेक्षित है।(इस खण्ड मे टिप्पणी प्रष्टव्य है।) – 4x5=20 अंक।

खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित है। – 03x10=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:–

1. वैदिक साहित्य और संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय(शारदामन्दिर वाराणसी)।
2. वैदिक साहित्य का इतिहास, पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा, वाराणसी।
3. वैदिक साहित्य का समालोचनात्मक इतिहास, प्रो० रामविलास चौधरी, MLBD ।
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास , प्रो० उमाशंकर शर्मा ऋषि (चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी)।
5. वैदिक साहित्य का इतिहास, गजानन्द गुरालगावकर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
6. A History of Indian Literature, Vol. II, Translated by Subhdra Jha, MLBD.
7. संस्कृत साहित्य का वर्गीकरणात्मक इतिहास, डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा, वाराणसी।
8. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामजी उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
9. संस्कृतसाहित्येतिहासः , आचार्य रामचन्द्र मिश्र, चौखम्बा, वाराणसी।
10. संस्कृत साहित्य का इतिहास, प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।

अधिगम:–

पाठ्यक्रम सम्पन्न होने पर छात्र संस्कृत साहित्य (वैदिक एवं लौकिक) के प्रमुख पक्षों का सामान्य परिचय प्राप्त कर इसकी महत्ता को समझ सकेंगे। वेदों में निहित ज्ञान–विज्ञान अध्यात्म एवं दर्शन के रहस्यों से अवगत हो सकेंगे। वेदांगों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। वेदों के व्याख्यानरूप ब्राह्मणों, आरण्यकों एवं उपनिषदों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

आदि काव्य रामायण की कथा से चरित्र निर्माण कर सकेंगे। महाभारत के परिचय से दुर्गुणों से निर्वृति एवं सद्गुणों की ओर प्रवृत्त हो स[illegible]। संस्कृत के महाकाव्य, नाट्य साहित्य, गीतिकाव्य आदि विधाओं के उद्भव एवं विकास परम्परा से परिचित होंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-III (Pattern-70+30=100)

MJC-IV: वेद एवम् उपनिषद्।

Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit = 5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	ऋग्वेदीय सूक्त–अग्नि(1.1) हिरण्यगर्भ(10.121)	10Hours
2	यजुर्वेदीय सूक्त– प्रजापति सूक्त (32.1–5), अथर्ववेदीय सूक्त–पृथिवी सूक्त (12.1–10)	10Hours
3	वैदिक व्याकरण–देवशब्दरूप, गम् धातु, लट् लकार।	10Hours
4	कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय प्रथम वल्ली)	10Hours
	Tutorial	10Hours
	Total	50 Hours

<u>CIA-30 अंक</u>

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक

(II) संगोष्ठी / क्वीज / प्रस्तुति / दत्त कार्य– 10 अंक

(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

<u>प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)</u>

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खण्ड में वैदिक मंत्रों एवं कठोपनिषद् के छ: मंत्रों में से किन्ही चार मंत्रों की व्याख्या उपेक्षित है।) – 4x5=20 अंक।

खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित है।) – 03x10=30 अंक।

कुल – 70 अंक

<u>अनुशंसित पुस्तकें:–</u>

1. ऋग्भाष्य संग्रह, डॉ0 देवराज चानना, मुंशीलाल मनोहर दास, दिल्ली।
2. प्राथमिक वेद संग्रह, पं0 रघुवर मिठ्ठूलाला शास्त्री और पं0 चंद्रिका प्रसाद शुक्ल।
3. न्यू वैदिक सलेक्शन, डॉ0 जमुना पाठक एवं उमेश प्रसाद सिंह, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
4. वैदिक व्याकरण, उमेश चन्द्र पाण्डेय चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
5. वैदिक व्याकरण, डॉ0 वीणा शर्मा , चौखम्बा ओरयण्टालिया, वाराणसी।
6. कठोपनिषद्, डॉ0 सुरेन्द्र देव शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
7. कठोपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर।
8. कठोपनिषद् , डॉ0 विजेन्द्र कुमार शर्मा, साहित्य भण्डार, मेरठ।

अधिगम:-

वैदिक संहिता के सूक्तों के अध्ययन से वैदिक भाषागत वैशिष्ट्य एवं उनमें सन्निहित ज्ञान, विज्ञान आध्यात्मिक तत्त्वों का परिचय प्राप्त करेंगे। वैदिक मन्त्रों के संहिता–पद–प्रभृति अष्टविध पाठों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

कठोपनिषद् के अध्ययन से आध्यात्मिक रुचि उत्पन्न होगी एवं वे मूल्यपरक जीवन की गहता से परिचित हो सकेंगे। गूढ़ दार्शनिक रहस्य एवं आत्मज्ञान से छात्र सुविज्ञ होंगे। आत्मा एवं परमात्मा का ब्रह्मविषयक ज्ञान से हमारे छात्र भलीभाँति परिचित होंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-IV (Pattern-70+30=100)
MJC-V: संस्कृत काव्यशास्त्र।
Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	साहित्यदर्पण (प्रथम परिच्छेद)।	08 Hours
2	साहित्यदर्पण (द्वितीय परिच्छेद)।	08Hours
3	साहित्यदर्पण (षष्ठ परिच्छेद)।	08 Hours
4	साहित्यदर्पण (दशम परिच्छेद)। शब्दालंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष। अर्थालंकार– उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अर्थान्तरन्यास, विभावना, काव्यलिंग, अतिशयोक्ति, विशेषोक्ति, सन्देह, भ्रान्तिमान्।	08 Hours
5	छन्द– आर्या अनुष्टुप, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वंशस्थ, मन्दाक्रान्ता, मालिनी, शिखरिणी, हरिणी, स्रग्धरा, उपजाति, द्रुतविलम्बित, वसन्ततिलका भुजङ्गप्रयात शर्दूलविक्रीडित, स्रग्विणी।	08 Hours
	Tutorial	10Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) समीक्षी / क्वीज / प्रस्तुति / दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।
खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। (इस खण्ड में प्रदत्त छः छंदों में से किन्हीं चार की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है।) – 4x5=20 अंक।
खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित है।) – 03x10=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशासित पुस्तकें:–

1. साहित्यदर्पण– शालिग्राम शास्त्री, MLBD.
2. साहित्यदर्पण– अभिराजराजेन्द्र मिश्र।
3. साहित्यदर्पण–डॉ० सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
4. साहित्यदर्पण– शेषराज रेग्मी, चौखम्बा, वाराणसी।
5. छन्दोमंजरी– परमेश्वरदीन पाण्डेय, चौखम्बा, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
6. वृत्तरत्नाकर– धरानन्द शास्त्री, MLBD.
7. छन्दोमंजरी– पं० श्री जगन्नाथ शास्त्री तैलङ्ग, भारतीय विद्याप्रकाशन, दिल्ली।

अधिगम:–

साहित्यदर्पण के प्रथम परिच्छेद के अध्ययन से काव्य के लक्षण, प्रयोजन एवं हेतुओं का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। शब्द की विविध शक्तियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। काव्य के विभिन्न प्रकारों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। काव्य में सन्निहित शब्दगत एवं अर्थगत अलंकारों का चमत्कार जान सकेंगे। छन्दों के वैशिष्ट्यपूर्ण ज्ञान से संस्कृत रचना कौशल एवं सौन्दर्य से परिचित होंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-IV (Pattern-70+30=100)
MJC-VI: संस्कृत नाटक।
Theory :4 Credits+ Tutorial: 1Credit=5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	स्वप्नवासवदत्तम् (भास) (1–4 अंक)	10 Hours
2	स्वप्नवासवदत्तम् (भास) (5–6 अंक)	10 Hours
3	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कालिदास) (1–4 अंक)	10 Hours
4	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कालिदास) (5–7 अंक)	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) सगोष्ठी / क्वीज / प्रस्तुति / दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल- 30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।
खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खण्ड में दोनों नाटकों से कुल छः श्लोकों में से किन्हीं चार श्लोकों की व्याख्या अपेक्षित है।) – 4x5=20 अंक।
खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।) – 03x10=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. स्वप्नवासवदत्तम्– जयपाल विद्यालंकार, MLBD
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम्– बाबूराम त्रिपाठी, प्रकाशन, आगरा।
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम्– कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा, वाराणसी।
4. स्वप्नवासवदत्तम् – डॉ० मोहन मिश्र, जनरल बुक एजेंसी, पटना।
5. अभिज्ञानशाकुन्तलम्– सुबोधचन्द्रपन्त, MLBD .

6. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – नारायणराम आचार्य, निर्णय सागर प्रेस।
7. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – C.R Devadhar, MLBD, Delhi.
8. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – M.R Kale, MLBD, Delhi.

अधिगम –

नाटकों के अध्ययन के पश्चात् छात्र–छात्राओं के जीवन में सर्वांगीण, सामाजिक, रीति–रिवाजों एवं सांस्कृतिक महत्त्वों के मनोभाव विकसित होंगे।

तत्कालीन समाज का प्रतिबिम्बन उक्त नाटकों में अवलोकन करने के उपरान्त स्वकीय जीवन में आनन्द का अनुभव करेंगे। सत्यं–शिवं–सुन्दरम् की भावना उनके व्यक्तित्व में इन नाटकों के अध्ययन से विकसित हो सकेंगे।युवक–युवतियोंके अंदर सौन्दर्यपरक ऐसी शास्त्र दृष्टि विकसित होगी, जो अर्वाचीन समय में समाज को गढ़ने एवं पढ़ने में सहायक सिद्ध होंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-III (Pattern-70+30=100)
MJC-VII: व्याकरण–4।
Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit=5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी) कर्ता, कर्म।	10Hours
2	कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी) करण, सम्प्रदान, अपादान।	10Hours
3	कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी) संबंध, अधिकरण।	10Hours
4	वाच्य– कर्तृ, कर्म और भाव (विशेषतः द्विकर्मक धातुओं के वाच्यपरिवर्तन)।	10Hours
	Tutorial	10Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक
कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।
खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खण्ड में छः सूत्रों में से किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है।) – 4x5=20 अंक।
खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (इस खंड में कारकों एवं वाच्य परिवर्तन से सम्बद्ध पाँच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के विश्लेषणात्मक/तुलनात्मक/वाच्यपरिवर्तनात्मक उत्तर अपेक्षित हैं।)– 03x10= 30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:–

1. कारक–प्रकरण– धरानन्द शास्त्री।
2. कारक दर्शन–डॉ0 कलानाथ झा।
3. रचनानुवाद कौमुदी– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. बृहद अनुवाद चन्द्रिका– धरानन्द शास्त्री, MLBD .
5- Higher Sanskrit Grammar- M.R Kale.
6. Higher Sanskrit Grammar- M.R Kale का हिन्दी अनुवाद, रामनारायण लाल बेनीप्रसाद, इलाहाबाद।
7. संस्कृत स्वयं शिक्षक (भाग–I,II) – श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, सजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली।

अधिगम:–

संस्कृत रचना में परमोपयोगी कारक एवं विभक्ति का ज्ञान प्राप्त करेंगे। रचना कौशल की प्रवृत्ति बढ़ेगी। वाक्य कर्तृ कर्म एवं भाववाच्य द्वारा परिवर्तित करने की क्षमता का विकास होगा।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-V (Pattern-70+30=100)

MJC-VIII: भारतीय दर्शन।

Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय (आस्तिक, नास्तिकदर्शन)	10 Hours
2	तर्कसंग्रह–उद्देश्य प्रकरण (पदार्थ, द्रव्य, गुण, कर्म निरूपण)	10 Hours
3	तर्क संग्रह– लक्षण निरूपण (पृथिवी, जल, तेज, वायु, आकाश, काल दिक्, आत्मा, मन निरूपण)।	10 Hours
4	तर्क संग्रह–प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द परिच्छेद।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक

(II) संगोष्ठी / क्वीज / प्रस्तुति / दत्त कार्य– 10 अंक

(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। इस खण्ड में प्रदत्त छः दार्शनिक उपविषयों (पदों) में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लेखन अपेक्षित है।) – 4x5=20 अंक।

खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।) – 03x10=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. भारतीय दर्शन– हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, MLBD .
2. तर्क संग्रह– गोविन्दाचार्य, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3. तर्क संग्रह–दयानन्द भार्गव, MLBD .
4. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका– धर्मानन्द शास्त्री, MLBD .
5- Higher Sanskrit Grammar- M.R Kale.
6. भारतीय दर्शन– डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

अधिगमः–

भारतीय दर्शन से सुपरिचित होकर छात्र–छात्राएँ दार्शनिक बोध प्राप्त करने में समर्थ हो सकेंगे। जीवन एवं मरण, जीवात्मा एवं परमात्मा, ब्रह्म एवं माया, जीव–जगत् इत्यादि विषयों का तात्त्विक एवं पारमार्थिक बोध प्राप्त कर सकेंगे।

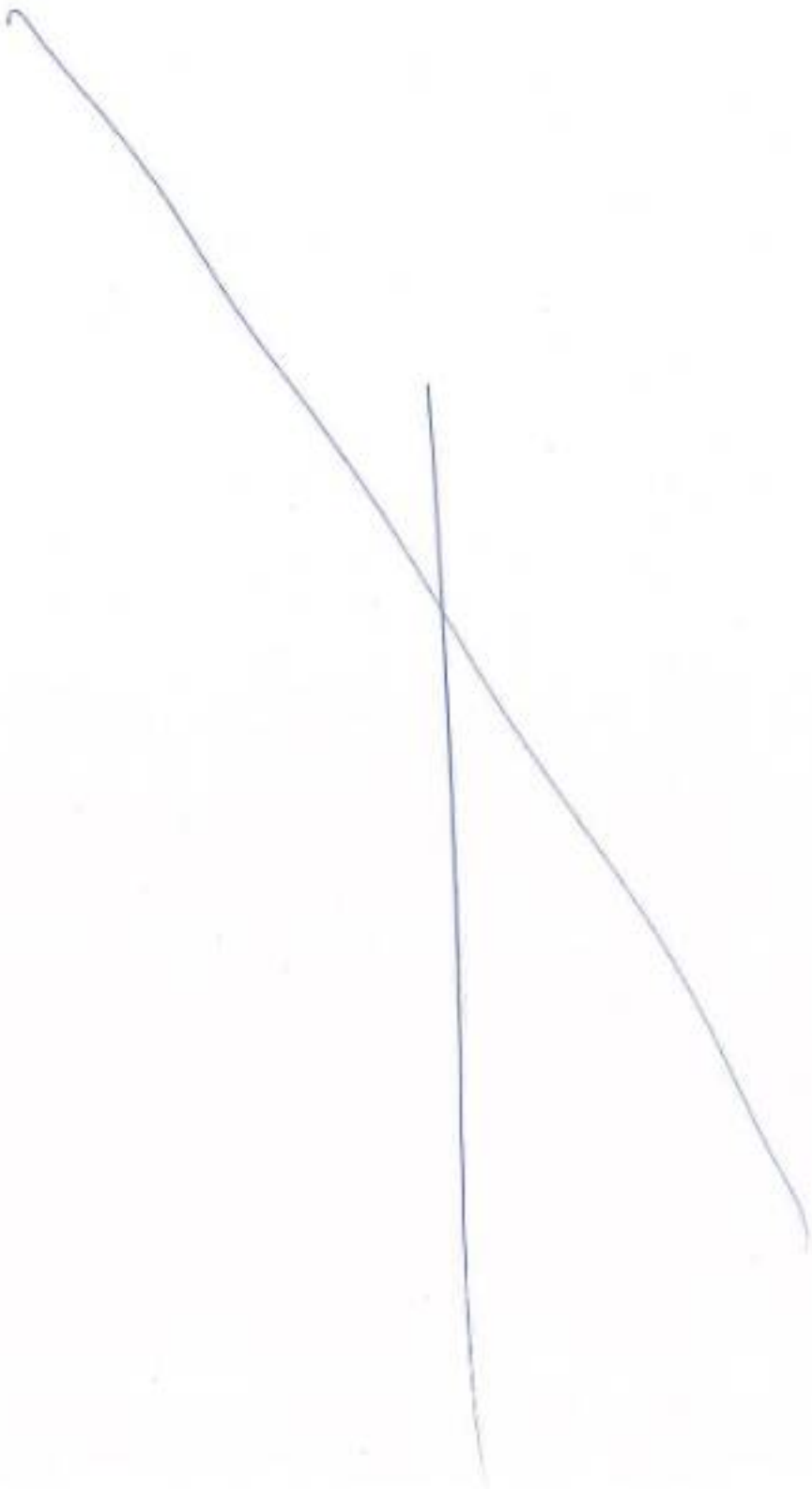

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-V (Pattern-70+30=100)

MJC-IX: श्रीमद्भगवद्गीता।

Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	भगवद्गीता का सामान्य अध्ययन।	10 Hours
2	द्वितीय अध्याय (श्लोक 1–36)	10 Hours
3	द्वितीय अध्याय (श्लोक 37–72)	10 Hours
4	चतुर्थ अध्याय (सम्पूर्ण)	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक

(II) संगोष्ठी / क्वीज / प्रस्तुति / दत्त कार्य– 10 अंक

(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। इस खण्ड में निर्धारित अंशों से छः श्लोकों में से में से किन्हीं चार श्लोकों की व्याख्या अपेक्षित है।) – 4x5=20 अंक।

खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित है।) – 03x10=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ:–

1. श्रीमद्भगवद्गीता–मधुसूदनसरस्वती कृत गूढार्थदीपिका संस्कृत टीका तथा प्रतिभाभाष्य (हिन्दी) सहित।
2. भगवद्गीता – गीताप्रेस, गोरखपुर। .
3. भगवद्गीता – मदन मोहन अग्रवाल, चौखम्बा, वाराणसी।
4. गीता रहस्य– बालगंगाधर तिलक।
5. गीता प्रवचन– आचार्य विनोबा।
6. गीता (साधक संजीवनी)– रामसुखदास, गीता प्रैस, गोरखपुर।
7. गीता तत्व चिन्तामणि– जयदयाल गोयंका, गीताप्रेस, गोरखपु;
8. गीता का अनुशीलन– श्रीलप्रभुपाद, ISCON,
9. सनातनशास्त्रम्– सीताराम ओंकारनाथ दास।

अधिगम:–

गीता के कर्म, भक्ति एवं ज्ञान विषयक अध्यायों के अध्ययन से छात्र/छात्राओं के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास हो सकेगा। इनके जीवन में असमंजस एवं अन्तर्द्वन्द्व की स्थितियों से निदान प्राप्त कर सकेंगे। उनके जीवन में सम्पूर्ण मानवीय सद्गुणों एवं सत्प्रवृत्तियों का अभ्युदय हो सकेगा। नर से नारायण की यात्रा अर्थात मनुष्य देह में दैवीय सद्गुणों का विकास संभव हो सकेगा। गीता अध्ययन का परम फल यह होगा कि भारत के छात्र/छात्राएं भारतबोध, आत्मज्ञान, परमात्म सिद्धि, परमार्थ बोध आदि समस्त सत्प्रवृत्तियों से सम्पृक्त हो सकेंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA
SEMESTER-VI (Pattern-70+30=100)
MJC-X: संस्कृत गद्य साहित्य।
Theory :3 Credits+ Tutorial: 1 Credit =4 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	शुकनासोपदेश।	15 Hours
2	शिवराजविजय (प्रथम निःश्वास)	15 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	40 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक
कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।
खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खंड में दोनों पाठ्यांशों के छः गद्यांशों में से में से किन्हीं चार गद्यांशों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित है।) – 4x5=20 अंक।
खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।) – 03x10=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ:–

1. कादम्बरी (शुकनासोपदेश)– डॉ० रमाकान्त झा, डॉ० हरिहर झा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
2. कादम्बरी (शुकनासोपदेश)– डॉ० प्रहलाद कुमार, मेहरचन्द लक्ष्मनदास, दिल्ली।
3. शिवराज विजय– विजय शंकर चौबे, MLBP.
4. शुकनासोपदेश – मोहनदेव पन्त MLBD.
5. शिवराजविजय– डॉ० यशवन्त कुमार जोशी, आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भण्डार, जयपुर।
6. शिवराजविजय– डॉ० रमाशंकर मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

अधिगमः–

शुकनासोपदेश के अध्ययन के पश्चात् युवावस्था के आने वाले दुष्प्रभावों से बचने में सफल होंगे। विशेषकर पद-प्रतिष्ठा प्राप्त कर अहंकार जन्य दुष्प्रवृत्तियों का शमन कर सकेंगे। लक्ष्मीमद अर्थात् धन से उत्पन्न होने वाले अभिमान जन्य दुर्गुणों के प्रति छात्र/छात्राएँ विशेष रूप से सतर्क रहेंगे। साथ ही युवावस्था में उत्पन्न होने वाली सहज कुप्रवृत्तियों से भी वे बच सकेंगे। छात्र/छात्राएँ संस्कृत साहित्य के उपन्यास विधा से परिचित हो सकेंगे। विदेशी आक्रान्ताओं के दुराचार एवं कदाचार की एक झलक प्राप्त कर सकेंगे एवं राष्ट्रवाद की भावना से युक्त हो सकेंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-VI (Pattern-70+30=100)

MJC-XI: संस्कृत व्याकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)।

Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	कृत्य प्रक्रिया (तव्यत्, अनीयर, केलिमर, यत्, ण्यत्)।	10 Hours
2	कृत् प्रत्यय–घञ्, ल्युट्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, ट, खश्, अच्, अप्।	10 Hours
3	तद्धित प्रत्यय– मत्वर्थीय।	10 Hours
4	स्त्री प्रत्यय– टाप्, ङीप् और ङीष्	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक

(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक

(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 8 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खण्ड में छः सूत्रों में से किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है।) – 4x5=20 अंक।

खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (इस खंड में सम्बद्ध व्याकरणिक पक्षों से सम्बद्ध विश्लेषणात्मक/तुलनात्मक/प्रयोगात्मक वैशिष्ट्य से संबद्ध प्रश्न होंगे। पाँच प्रश्नों में से तीन के उत्तर अपेक्षित है।) – 03x10=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी– महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्बा।
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी – धरानन्दशास्त्री, मोतिलाल बनारसी दास।
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी – प्रो० अर्जनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृतपुस्तकालय, जयपुर।
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी – प्रो० रामविलास चौधरी, मोतिलाल बनारसी दास।
5. वैयाकरण सिद्धान्तकौमुदीस्त्रीप्रत्ययप्रकरणम् – प्रो० वैद्यनाथ मिश्र, पोद्दार पब्लिकेशन, वाराणसी।

अधिगमः–

छात्र/छात्राएँ संस्कृत वाक्य रचनोपयोगी कृत्य प्रत्ययों के प्रयोग से अवगत हो सकेंगे। प्रकृति भेद से प्रत्यय भेद को रूपों एवं प्रयोगों को समझ सकेंगे। स्त्री प्रत्यय–प्रातिक पदिक से स्त्रीत्व अर्थ में विविध स्त्री प्रत्ययों की प्रयोग दशा समझ सकेंगे।

संस्कृत के प्रत्ययों के ज्ञान द्वारा शब्द–निर्माण का सामार्थ्य विकसित होगा।

संस्कृत भाषा की वैज्ञानिकता से परिचय होगा।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-VI (Pattern-70+30=100)

MJC-XII: संस्कृत रचना।

Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	संस्कृत पत्र लेखन, आवेदन पत्र लेखन।	10 Hours
2	संस्कृत निबन्ध लेखन।	10 Hours
3	संस्कृत से हिन्दी अनुवाद।	10 Hours
4	हिन्दी से संस्कृत अनुवाद।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक

(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक

(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 8 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खण्ड में व्यक्तिगत पत्र/आवेदन पत्र/ सूचना/ निमंत्रण पत्र से संबद्ध छः प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर अपेक्षित है।) – 4x5=20 अंक।

खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (इस खंड में प्रदत्त तीन हिन्दी अनुच्छेदों एवं दो संस्कृत अनुच्छेदों में से यथायोग्य तीन अनुच्छेदों का संस्कृत/हिन्दी में अनुवाद अपेक्षित है।– 03x10=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. रचनानुवाद कौमुदी–डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. बृहद अनुवाद चन्द्रिका–चक्रधर नौटियाल, MLBD.
3. निबन्धशतकम्– डॉ० कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. संस्कृतनिबन्धसौरभम्– प्रो० बैद्यनाथ मिश्र, पोद्दार पब्लिकेशन, वाराणसी।
5. निबन्ध कुसुमाञ्जलि– डॉ० जयमन्त मिश्र, दिल्ली।

अधिगमः–

इससे संस्कृत छात्र/छात्राओं में संस्कृत में पत्र लेखन एवं निबन्ध लेखन की क्षमता का विकास होगा। अनुवाद के द्वारा छात्रों में संस्कृत रचना में प्रवेश करने की क्षमता का संवर्धन होगा।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-VII (Pattern-70+30=100)

MJC-XIII: संस्कृत महाकाव्य।

Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	कुमारसम्भवम् (पञ्चम सर्ग)	20 Hours
2	शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग)	20 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक

(II) संगोष्ठी / क्वीज / प्रस्तुति / दत्त कार्य– 10 अंक

(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खण्ड में दोनों महाकाव्यों से कुल छः श्लोकों में से किन्हीं चार श्लोकों की व्याख्या अपेक्षित है।) – 4x5=20 अंक।

खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित है।) – 03x10=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ:–

1. कुमारसम्भवम्– नेमिचन्द शास्त्री, MLBD.
2. शिशुपालवधम्– श्री रामजीलाल शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3. कुमारसम्भवम्– जगदीशलालाशास्त्री , मोतिलाल बुक्स पब्लिकेशंस एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स , वाराणसी।
4. कुमारसम्भवम्– प्रो० रेवाप्रसाद द्विवेदी, सम्पूर्णानन्द विश्वविद्यालय, वाराणसी।
5. शिशुपालवध– जनार्दनशास्त्री पाण्डेय, मोतिलाल बुक्स, पब्लिकेशंस एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स, वाराणसी।
6. शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग), आशुबोधिनी संस्कृत हिन्दी व्याख्योपेतम्– पं० सत्यनारायण शास्त्री, चौखम्बा भारती आकदमी, पटना।

अधिगम:–

इन महाकाव्यों के अध्ययन के पश्चात् का लिदास एवं माघ के काव्य सौन्दर्य का रसपान कर सकेंगे। काव्यानन्द के साथ तपः प्रवृति और पौराणिक आख्यानों से भी परिचित हो सकेंगे। छात्र/छात्राओं के अन्दर जीवन में तपस्या का महत्त्व, अतिथि सत्कार, स्पष्टवादिता एवं लक्ष्य संसिद्धि का सोपान प्रशस्त होगा।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-VII (Pattern-70+30=100)

MJC-XIV: संस्कृत कथा साहित्य।

Theory :4 Credits+ Tutorial: 1 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	पञ्चतन्त्रम् (अपरीक्षितकारक–आरंभिक तीन कथाएँ)	20 Hours
2	हितोपदेश (आरंभिक तीन कथाएँ)	20 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	50 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक

(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक

(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खंड में दोनों पाठ्यांशों के 9: गद्यांशों में से में से किन्हीं चार गद्यांशों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित है।) – 4x5=20 अंक।

खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न (प्रदत्त 5 प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपेक्षित है।) – 03x10=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ:–

1. पञ्चतन्त्रम् – श्री गुरूप्रसाद शास्त्री, भार्गव पुस्तकालय, गायघाट, काशी।
2. पञ्चतन्त्रम् – श्यामचरण पाण्डेय, मोतीलाल बुक्स पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स, पटना।
3. हितोपदेश– मोतीलाल बनारसीदास इन्टरनेशनल।
4. अपरीक्षितकारकम्– प्रो0 मोहन मिश्र, जेनरल बुक एजेन्सी, पटना।
5. हितोपदेश प्रो0 बालशास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

अधिगम:–

इन कथाओं के अध्ययन से कर्तव्याकर्तव्य का बोध होगा तथा उचित निर्णय लेने की क्षमता का विकास होगा। गुरूपदेश के महत्त्व को समझ सकेंगे। संस्कृत की मनोहर कथा परम्परा से अवगत होंगे।

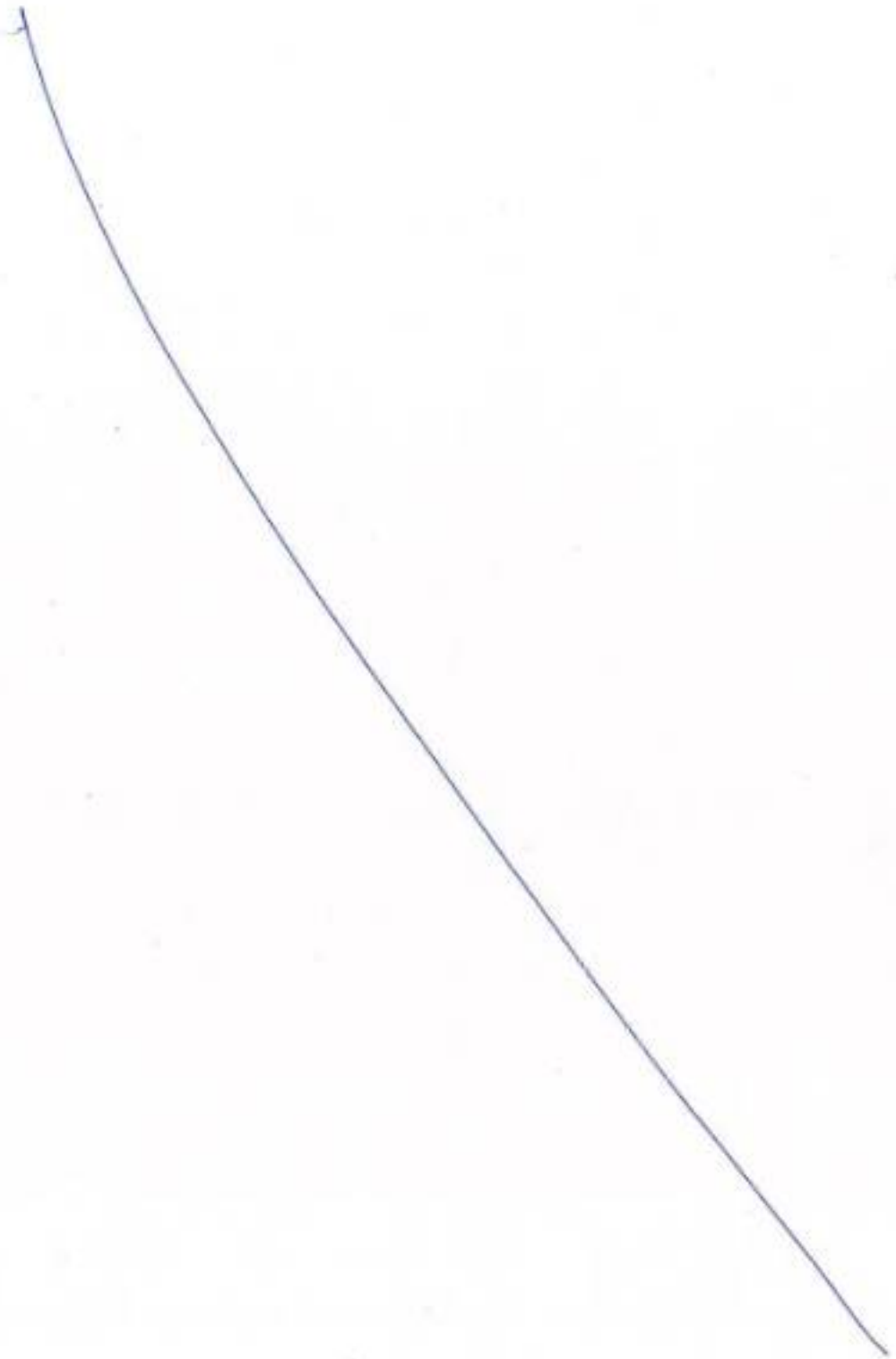

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-VII (Pattern-70+30=100)

MJC-XV: व्याकरण-7 एवं भाषाविज्ञान।

Theory :5 Credits+ Tutorial: 6 Credit =5 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	समास–केवलसमास, अव्ययीभाव और तत्पुरुष	15 Hours
2	समास -बहुव्रीहि और द्वन्द्व	15 Hours
3	भाषा की परिभाषा भाषोत्पत्ति सिद्धान्त भाषा और बोली में अन्तर।	10 Hours
4	भारतीय आर्यभाषा का क्रमिक विकास, लौकिक एवं वैदिक संस्कृत भाषा में अन्तर।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	60 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक

(II) संगोष्ठी / क्वीज / प्रस्तुति / दत्त कार्य– 10 अंक

(III) उपस्थिति एवं अनुशासन 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारुप (ESE)

खण्ड–क 1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न । – 10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. लघूत्तरीय प्रश्न प्रदत्त 6 प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (इस खण्ड में छः सूत्रों में से किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित है।) – 4x5=20 अंक।

खण्ड–ग 3. दीर्घोत्तरीय प्रश्न। पाँच प्रश्नों में से तीन के उत्तर अपेक्षित हैं।) – 03x10=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थः–

1. भाषा विज्ञान की भूमिका – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन – डॉ0 भोलाशंकर व्यास, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, वाराणसी।
3. सामान्य भाषाविज्ञान– डॉ0 बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
4. भाषा विज्ञान– डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
5. Elements of Science of Language- Tara Porewala.

अधिगमः–

छात्र सामासिक प्रक्रिया के क्रम को समझ सकेंगे और संस्कृत रचना में उनका उपयोग कर सकेंगे। सामासिक प्रक्रिया जानने के बाद प्रौढ़ समस्तपदों को समझने में सुगमता आएगी।

21.9.23 21.09.2023 21-9-23 21.9.23 21.9.2023

Semester VII

MJC 14- Research Methodology (Social Sciences& Humanities)

Course credit- 05, Full marks- 100

Course Objectives:

CO1: The course intends to familiarize the students of the fundamentals and process of research.

CO2: to acquaint the students with research aptitude in knowledge seeking.

CO3: to enable students to scientifically assess the reliability and validity of facts.

CO4: To empower students to conduct a factual estimate of socially relevant issues in a scientific manner.

Course Outcomes

On completion of the Course, the students can undertake independent research with following Outcomes:

LOC 1: Students will gain skills of scientific analysis.

LOC 2: Students will gain contemporary and interdisciplinary knowledge.

LOC 3: Students will have global understanding of nuances of Research.

Unit	Topics to be covered	No. of lectures
I	Research- Meaning, Purpose, Significance, Types, Stages of Research, Review of Literature, Ethical issues in Research, Plagiarism.	08
II	Research Design- Meaning and types, Identification of Research Problems and Types of variables. Hypothesis- Nature, Types, Sources, Importance, Characteristics of a good hypothesis.	10
III	Method and Tools of Data Collection Sources of Data- Primary and Secondary, Comparative method, Observation, Interview, Questionnaire, and Schedule Sampling Method- Concept, Types, Purpose, and Rationale	12
IV	Analysis and Processing of Data, Classification, and Tabulation of Data Measures of Central Tendency and Variability, Graphic representation Use of Internet and Computer technologies in Research- MS Word, MS Excel, Power point Presentation, SPSS	10
V	Report Writing and Thesis writing- Objective, Content, Layout, Research proposal/ Synopsis. Referencing- Endnote, Footnote, In-text citation, Index, Diacritical work, Bibliography (MLA and APA formats), Webliography	10
Tutorial		10
Total		60

Suggested readings

1. Ackoff, R.I.., (1953)," Design of social research" The University of Chicago Press, Chicago.
2. Goode, W. and Hatt, P.K., (1952), "Methods in Social Research" MC Gracw-Hill.
3. Sharma, V.P. (2013), " Research Methodology" PanchsheelPrakashan, Jaipur.
4. Singh, A.K., "Test Measurements and Research Methods in Behavioural Sciences" Bharti Bhavan Publication.
5. मिश्रा , जयदेव : ऐतिहासिक अनुसन्धान, काशी प्रसाद जायसवाल शोध संस्थान , पटना।
6. आहूजा, राम: सामाजिक अनुसन्धान, रावत प्रकाशन, जयपुर।
7. राणा सुनील कुमार सिंह - सामाजिक शोध की पद्धति।
8. सावित्री सिन्हा: अनुसन्धान का स्वरुप, नेशनल पब्लिशिंग हाउस , दिल्ली।
9. विनय मोहन शर्मा: शोध प्रविधि , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , दिल्ली।
10. सावित्री सिन्हा: अनुसन्धान की प्रक्रिया , विजयेंद्र स्नातक, हिंदी अनुवाद परिषद्।